POLO HARDWARE COLLECTION
www.princepolo.in
+91 77070 90907
PRINCE POLO
Architecture Hardware Fittings

Carpenter's monthly newspaper

www.carpentersnews.com

कारपेंटर्स न्यूज़

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2025-27
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | जुलाई 2025 | वर्ष : 20 | अंक : 08 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 2 रुपए

लकड़ी से बना गुरुद्वारा फाजिल्का में खुला .... पेज - 2

होल्ड ओपन सरफेस
डोर क्लोज़र

Link GROUP

स्मार्ट डिज़ाइन, भरोसेमंद परफॉर्मेंस

65 kg — 65 किलोग्राम तक का भार सहन करता है

3,00,000 साइकल के लिए परीक्षण किया गया

3 फिनिश में उपलब्ध: SS, Antique, Black

950mm तक की चौड़ाई वाले दरवाजों के लिए उपयुक्त

90° — 90° होल्ड ओपन

WARRANTY 2 YEARS

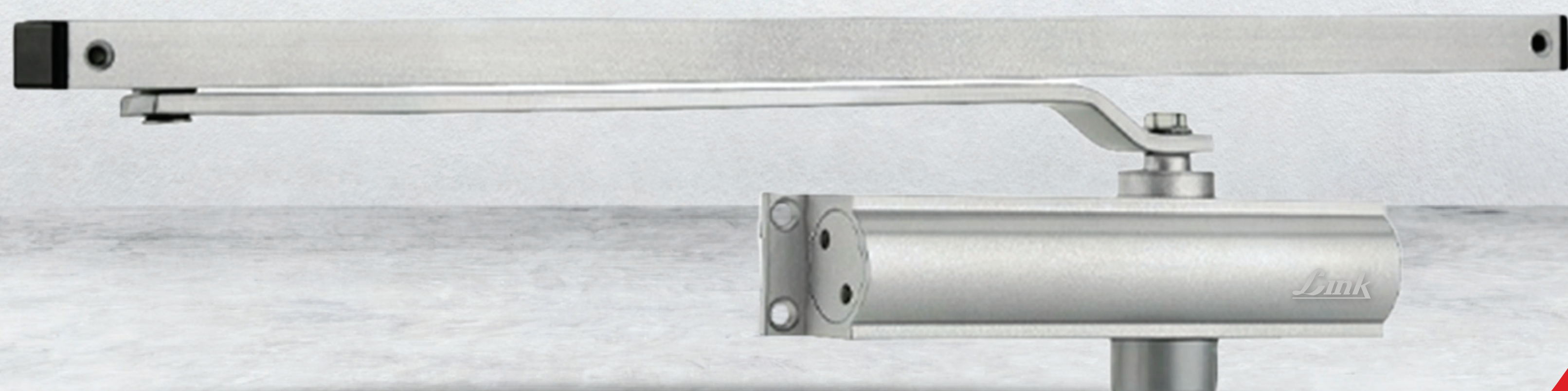

LINKCART
YOUR FAVORITE LINK PRODUCTS, JUST A CLICK AWAY!

SCAN & SHOP INSTANTLY!
QUICK LOGIN TO LINKCART

www.link-bharat.com
support@link-bharat.com

कारपेंटर भाइयों के लिए सुनहरा मौका!

हमारी पूरी रेंज पर जबरदस्त छूट – आज ही संपर्क करें!

टोल फ्री नंबर: 1800-547-4559

LINK HAI NA

TOLL-FREE NUMBER
1800-547-4559
FOR FREE INSTALLATION*

लकड़ी से बना गुरुद्वारा फाजिल्का में खुला

फाजिल्का। गुरुद्वारा साहिब चाहे कोई भी हो, उसका स्वरूप और सुंदरता सभी को लुभाती है, लेकिन इस गुरुद्वारा साहिब के निर्माण का कोई मुकाबला नहीं है। यह देश का ऐसा पहला गुरुद्वारा है, जो पूरी तरह से लकड़ी से बना है। पंजाब के फाजिल्का जिले की पुलिस लाइन में यह गुरुद्वारा बनाया गया है, जहां ग्रंथी सिंह की सेवा भी एक पुलिसकर्मी कर रहा है। इस अत्याधुनिक युग में लकड़ी का गुरुद्वारा बनाने का विचार 2023 में फाजिल्का में पहुंचे एसएसपी भूपिंदर सिंह सिद्धू को आया। उनका परिवार पुलिस लाइन में आता था और गुरुद्वारा में माथा टेकना चाहता था, लेकिन जब उन्हें पता चला कि यहां कोई गुरुद्वारा नहीं है तो इस परिवार ने गुरुद्वारा बनाने का फैसला किया।

एसएसपी भूपिंदर सिंह सिद्धू कहते हैं कि मैंने सोचा कि जब गुरुद्वारा ही बनना है तो लकड़ी का गुरुद्वारा साहिब क्यों न बनाया जाए। इस विचार के बाद मैंने परिवार के बाकी सदस्यों, पुलिसकर्मियों और दोस्तों से बात की। आखिरकार लुधियाना से मिस्त्री इकबाल सिंह को बुलाया गया ताकि इस विचार को जमीनी स्तर पर पहुंचाया जा सके। संगत, पुलिसकर्मियों और हमारे परिवार पर गुरु साहिब की कृपा से, 3 महीने के भीतर लकड़ी का गुरुद्वारा श्री नानक निवास बनकर तैयार हो गया और 16 फरवरी 2023 को संगत के लिए खोल दिया गया। यह गुरुद्वारा देखने में खूबसूरत है। इसकी खासियत के बारे में गुरुद्वारा साहिब के हेड ग्रंथी करनैल सिंह ने बताया कि इस गुरुद्वारा साहिब का निर्माण किसी साधारण लकड़ी से नहीं बल्कि फिनलैंड से आयात की गई देवदार की लकड़ी से किया गया है। यह लकड़ी समुद्री जहाजों के माध्यम से बंदरगाहों तक पहुंची और वहां से ट्रकों के माध्यम से फाजिल्का लाई गई। इस लकड़ी पर न तो कीट-पतंगों का असर होता है और न ही बारिश और धूप का। इस गुरुद्वारा को बनाने के लिए लुधियाना से एक बढ़ई इकलाब सिंह आए थे जो विदेश जाकर लकड़ी के घर बनाते हैं। यह लकड़ी 100 साल से भी ज्यादा समय तक टिकती है। इस गुरुद्वारा साहिब में चार दरवाजे हैं, जो इस बात की निशानी हैं कि गुरुघर सभी धर्मों के लिए समान है। कोई भी व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के यहां आकर गुरु साहिब का आशीर्वाद ले सकता है। इस गुरुद्वारा में आनंद कारज (सिख धर्म में विवाह समारोह) भी किया जाता है और वर्ष में एक बार श्री अखंड पाठ साहिब का भोग अवश्य डाला जाता है।

मिस्त्री इकबाल सिंह ने बताया कि इस गुरुद्वारा साहिब को तैयार करने में विशेष ध्यान रखा गया है। जैसे कि सीधी हवाओं को कम करने के लिए मेहराब (गुंबद), खिड़कियों वाले गुंबद, अंदर छत के नीचे सीधी और लंबी लकड़ियां लगाई गई हैं, जो सभी एक लाइन में लगी हुई दिखाई देती हैं। इस गुरुद्वारा साहिब की इमारत करीब 40 फीट लंबी और चौड़ी है। इसका मुख्य प्रवेश द्वार उत्तर-दक्षिण दिशा की ओर है, क्योंकि इतिहासकारों का कहना है कि इस तरफ से तेज हवाओं का प्रवाह बहुत कम होता है।

बांग्लादेश से जूट प्रोडक्ट के आयात पर लगी रोक

नई दिल्ली। भारत ने बांग्लादेश से जूट और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स के आयात पर रोक लगा दी है। यह फैसला दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के चलते लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब बांग्लादेश से जूट प्रोडक्ट्स सिर्फ महाराष्ट्र के न्हावा शेवा बंदरगाह के जरिए ही भारत में आ सकेंगे। मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स के तहत काम करने वाले डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड ने इस बारे में नोटिफिकेशन जारी किया था। बांग्लादेश से जूट के आयात पर यह पाबंदी इसलिए लगाई गई है। क्योंकि वहां से सस्ते और सब्सिडी वाले जूट प्रोडक्ट्स के आयात से भारत की जूट इंडस्ट्री लंबे समय से नुकसान झेल रही है।

फूल की नई प्रजाति मिली

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में वन विभाग ने बेगोनिया फूल की नई प्रजाति का पता लगाया है। फूल का नाम पूर्वोत्तर के सबसे बड़े आदिवासी समूह न्यीशी के नाम पर बेगोनिया न्यीशी ओरियम रखा गया है। इस खोज को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय रनल नोवोन में प्रकाशित किया गया है। अरुणाचल प्रदेश के कामेंग जिले के अधिक ऊंचाई वाले जंगलों में यह नई प्रजाति के पौधे देखे गए। इस पौधे के फूलों के लाल डंठल इसे अन्य एशियाई बेगोनिया फूलों से अलग बनाते हैं। इस खोज पर मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि एक नई खोज यह बताती है कि अभी पूर्वी हिमालयी क्षेत्रों में कितना कुछ ऐसा है जिसका पता लगाना बाकी है।

कारपेंटरों को उनका अधिकार दिलाएगी कांग्रेस

राहुल गांधी से मिला विश्वकर्मा समाज का प्रतिनिधिमंडल

कारपेंटर्स न्यूज़ @ नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि विश्वकर्मा समुदाय के लोग नौकरशाही, मीडिया, कारपोरेट, उच्च न्यायपालिका या सशस्त्र बलों के जनरलों में नहीं हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आप देश की सत्ता प्रणाली में प्रवेश कैसे करेंगे। आपके समुदाय से केवल कुछ विधायकों का होना ही काफी नहीं है। आप सत्ता के लिए नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व के लिए लड़ाई लड़िए। पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के पुत्र इन्द्रजीत सिंह के नेतृत्व में विश्वकर्मा समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि आपकी समस्याओं का समाधान जाति जनगणना है और जिस दिन यह हो जाएगी तो आपके समुदाय को अहसास होगा कि आबादी के हिसाब से आपका हिस्सा नहीं है। देश के विकास में विश्वकर्मा समाज का अहम योगदान है इसके बावजूद इस समाज को हिंदुस्तान के पावर में जगह नहीं दी गई। हम देश के हुनरमंद लोगों के सम्मान, समानता की लड़ाई में साथ हैं और उन्हें न्याय दिलाकर रहेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि सारा फर्नीचर देश का बढ़ई समाज बनाता है अब उनकी उपयोगिता को खत्म किया जा रहा है। फर्नीचर बनाने का काम चाइना को पकड़ा दिया गया है। विश्वकर्मा समाज के पारंपरिक रोजगार को हिन्दुस्तान में ख़त्म किया जा रहा है, जबकि चीन में लोहार, बढ़ई अपने पारंपरिक कार्य को करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। जापान में इंजन बनाने का इंडस्ट्रीज वहां के ओरिजनल लोहार चलाते हैं।

गांधी ने कहा कि विश्वकर्मा समाज को देखना होगा कि हिन्दुस्थान के पावर में वे कहाँ हैं। आपका हिस्ट्री, कल्चर और जीने का तरीका बचाना होगा। विश्वकर्मा समाज को सिर्फ उपस्थिति के लिए नहीं बल्कि पावर के लिए लड़ना होगा। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस किसी व्यक्ति व समाज की पार्टी नहीं है, बल्कि समाज के सभी वर्गों का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज अति पिछड़ा वर्ग में आता है, इसलिए विश्वकर्मा समाज को कांग्रेस में पूरा मान-सम्मान देकर संगठन में उचित भागीदारी और जिम्मेदारी दी जाएगी। मेरा लक्ष्य कांग्रेस की कमान ओबीसी, दलितों, आदिवासियों के हाथों में सौंपना है। यह आपका हथियार है। जब मैं पिछड़े और अति पिछड़े समुदायों के साथ अन्याय होते देखता हूं तो मुझे अच्छा नहीं लगता। उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास है कि बिहार और उत्तर भारत में अति पिछड़े लोगों को सम्मान मिले और उनके इतिहास का सम्मान हो। मैं अति पिछड़े समुदाय की जड़ों को मजबूत करना चाहता हूं, जिसे भाजपा-आरएसएस कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

कारीगरी - कैलाश बनाते हैं पेड़ की जड़ों से मूर्तियां

भोपाल। मध्य प्रदेश का एक कलाकार पेड़ों की जड़ों को निकालकर उससे अद्भुत मूर्तियां तैयार करता है। प्रदेश के कटनी के एक गांव के रहने वाले युवा कलाकार की बनाई लकड़ी की मूर्तियों के दूसरे राज्य के लोग भी दीवाने हैं। पिछले 9 वर्षों के दौरान झारखंड और ओडिशा में कई मूर्तियां बेच चुके हैं। आमतौर पर पेड़ कटने के बाद निकलने वाली जड़ों को मूर्तियों के रूप में आकार देते हैं। पिछले दिनों उनकी एक मूर्ति 46 हजार रुपए में बिकी थी।

कटनी जिले के बरही थाना में आने वाले सरई गांव के रहने वाले कैलाश विश्वकर्मा बताते हैं कि वे पिछले 9 सालों से लकड़ी से मूर्तियां बनाने का काम कर रहे हैं। यह उन्होंने अपने पिता से बनाना सीखा। पहले उनके पिता श्यामलाल विश्वकर्मा मूर्तियां बनाते थे। पिताजी ने अब इसे बनाना बंद कर दिया। पिता से सीखे हुनर को अब वे खुद आजमा रहे हैं। कैलाश कहते हैं कि वे आमतौर पर लकड़ी की जड़ से मूर्तियां तैयार करते हैं, क्योंकि इसको आकार दिया जाए तो यह नेचुरल दिखाई देती हैं, लेकिन इस पर काम करना ज्यादा कठिन होता है। इसके लिए पेड़ की जड़ को गड्ढा खोदकर इस तरह से निकाला जाता है, ताकि उसके आकार को नुकसान न पहुंचे।

कैलाश विश्वकर्मा बताते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के दौरान उन्होंने भगवान राम को धनुष लिए कई मूर्तियां बनाई, जो सभी बिक गई। इसमें एक मूर्ति साढ़े तीन फीट की बनाई थी, जो 46 हजार रुपए में विक्रय हुई। भगवान राम के अलावा राधा-कृष्ण की भी कई मूर्तियां बनाई। कैलाश बताते हैं कि उन्होंने बड़े शहरों में जाकर मूर्तियां नहीं बेची। सभी मूर्तियां कटनी से ही बिकती रही हैं। इंडस्ट्री से जुड़े अधिकारी यहां से मूर्तियां खरीदकर ले जाते हैं। अब कई लोग डिमांड करके मूर्तियां बनवाते हैं। कैलाश बताते हैं कि मूर्ति की कीमत उसकी साइज और लकड़ी पर निर्भर करती है। यदि मूर्ति सागौन की लकड़ी पर बनाई जाए तो यह ज्यादा महंगी पड़ती है। एक मूर्ति बनाने में करीबन 10 दिन का समय लगता है। वे टेबल पर रखने वाले एनिमल, फ्लावर पॉट्स, भगवान की मूर्तियां बनाते हैं। यदि भगवान की मूर्ति है, तो सबसे ज्यादा ध्यान उनका चेहरा बनाने में रखना होता है। हाल ही में वे अपनी मूर्तियां लेकर एक कार्यक्रम में भोपाल भी पहुंचे थे, मूर्तियां देख सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी मेरी खूब तारीफ की थी।

कृषि भूमि पर पेड़ कटाई के लिए मसौदा नियम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने के लिए नए नियम जारी किए हैं। इसके तहत खेतों के बाहर हरित क्षेत्र बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को कम करने के उद्देश्य से कृषि भूमि पर पेड़ों की कटाई के लिए आदर्श नियम लाए गए हैं। इससे एग्रोफोरेस्ट्री को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। एग्रोफोरेस्ट्री यानी कृषि वानिकी, ऐसी प्रणाली है जिसमें एक ही जमीन पर पेड़ और फसलें एक साथ उगाए जाते हैं। इससे न केवल पैदावार बढ़ेगी, बल्कि मिट्टी की सेहत भी सुधरेगी और पर्यावरण भी बेहतर होगा। पर्यावरण मंत्रालय ने 19 जून को सभी राज्यों को पत्र भेजकर कृषि भूमि में पेड़ों की कटाई के लिए आदर्श नियम साझा किया। मंत्रालय ने बताया कि इसका उद्देश्य कृषि वानिकी के क्षेत्र में व्यापार सुगमता को बढ़ाना और किसानों को अपने कृषि प्रणालियों में पेड़ों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। सरकार लंबे समय से कृषि वानिकी को बढ़ावा दे रही है ताकि किसानों की आय दोगुनी की जा सके, जंगलों के बाहर वृक्षों की संख्या बढ़े, जलवायु परिवर्तन को कम किया जा सके, लकड़ी का आयात घटे और भूमि उपयोग अधिक टिकाऊ बने। यह पहल पेरिस जलवायु समझौते के तहत भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं को भी समर्थन देती है। कृषि भूमि पर पेड़ काटने के लिए स्पष्ट और एक समान नियमों की कमी अब तक किसानों के लिए एक बड़ी बाधा रही है। यह कृषि वानिकी उत्पादों की खेती और विपणन को प्रभावित करता है। नए नियमों के अनुसार, लकड़ी आधारित उद्योग (स्थापना एवं विनियमन) दिशा निर्देश, 2016 के तहत पहले से बनी राज्य स्तरीय समिति ही इन नियमों के लिए समिति का काम करेगी।

10 से अधिक पेड़ों के लिए फील्ड जांच जरूरी

अगर किसी किसान की भूमि पर 10 से अधिक पेड़ हैं और वह उन्हें काटना चाहता है तो उसे एनटीएमएस पोर्टल पर आवेदन करना होगा। इसके बाद एक सत्यापन एजेंसी फील्ड विजिट करेगी और जमीन, पेड़ों और लकड़ी की अनुमानित मात्रा के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ एक रिपोर्ट तैयार करेगी। इसके आधार पर कटाई की अनुमति दी जाएगी।

आग में दम घुटने से कारपेंटर की मौत

दिल्ली। मोती नगर इलाके के गोल्डन बैंक्वेट हॉल में लगी आग में एक कारपेंटर की दम घुटने से मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त उत्तम नगर निवासी राजेश के रूप में हुई है। वह वहां लकड़ी का काम कर रहा था।

पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि पुलिस और दमकल विभाग को मोती नगर के डीएलएफ के पास गोल्डन बैंक्वेट हॉल में आग लगने की जानकारी मिली। फायर स्टेशनों से आधा दर्जन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। पता चला कि घटना के समय वहां कोई कार्यक्रम नहीं हो रहा था। बैंक्वेट हॉल में एक कारपेंटर काम कर रहा था। आग भूतल से शुरू होकर ऊपर की मंजिल में फैल गई। आग लगते ही विपिन नाम का कर्मचारी बैंक्वेट हॉल के पड़ोस की दूसरी इमारत पर छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। लोगों ने कारपेंटर राजेश के अंदर फंसे होने की आशंका जताई। दमकल कर्मियों ने ब्रांटो क्रेन वाली गाड़ी की मदद से आग बुझाने के साथ-साथ अंदर फंसे राजेश की तलाश शुरू की। राजेश एक खाली जगह पर अचेत मिला। वह झुलसा नहीं था, लेकिन धुएं की चपेट में आने से अचेत हो गया था। उसे बाहर निकालकर पास के अस्पताल में लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गुरु शिष्य का नाता परम आत्मिक, परम आध्यात्मिक व परम पवित्र

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत गुरु वंदना करने पहुंचे

कारपेंटर्स न्यूज़ @ भरतपुर। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर व विश्व विख्यात संत स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि गुरु शिष्य का नाता साधारण नाता नहीं अपितु परम आत्मिक, परम आध्यात्मिक व परम पवित्र नाता है। कामां स्थित हरि कृपा आश्रम में आयोजित गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित विराट धर्म सम्मेलन में देश- विदेश से आए हजारों भक्तों को अपने दिव्य व ओजस्वी प्रवचनों में संबोधित करते हुए कहा कि दुर्भाग्यवश वहीं उच्च नाता आज अंधे और बहरे का नाता नजर आ रहा है, वह गुरु अंधा है जो शिष्य की कमियां नहीं देखता यदि देखता है तो उन्हें बताता नहीं, तुच्छ स्वार्थों के कारण। वह शिष्य बहरा है जो गुरु के उपदेश को सुनता नहीं, यदि सुनता है तो समझ कर जीवन में नहीं उतारता। यद्यपि गुरु का बहुत ही उच्च स्थान है, यदि यह कह दिया जाए कि गुरु ही ब्रह्मा (सगुणों को उत्पन्न करने वाला), गुरु ही विष्णु (उपदेशों के द्वारा उन सगुणों का पालन करने वाला), गुरु ही शंकर (जो कि दुर्गुणों व विकारों का संहार करने वाला) है। परम

ब्रह्म परमात्मा का पृथ्वी पर देहधारी स्वरूप है सद्गुरु, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यदि यह भी कह दिया जाए कि ब्रह्मा, विष्णु, शंकर इत्यादि भी बिना गुरु के भवसागर से पार नहीं हो सकते तो अतिशयोक्ति नहीं, परंतु इतना उच्च पद रखने वाला गुरु यदि शिष्य को उसकी वास्तविकता से अवगत नहीं कराता, उसके संदेह, अज्ञान आदि का निवारण नहीं करता, कथनी व करनी के अंतर को मिटाकर उपदेश नहीं करता, मात्र उसका धन हरण करता है ऐसा गुरु अपने शिष्यों को नरक की यातनाओं से क्या बचाएगा वह तो स्वयं ही नर्क गामी होगा। उन्होंने जिस सतगुरु की सेवा करके श्री राम, श्री कृष्ण इत्यादि अवतारों ने भी उसकी महिमा को प्रतिस्थापित किया है। उस गुरु की महिमा को करने की सामर्थ्य हमारी नहीं हो सकती। परंतु इतना तो अवश्य कह सकते हैं कि शिष्य को, गुरु को एक मानव नहीं मानव रूप में साक्षात परमात्मा का स्वरूप समझे, पर गुरु स्वयं को भगवान ना समझ बैठे। शिष्य अपना तन, मन, धन सब सद्गुरु के चरणों में अर्पण कर दें, लेकिन इसका तात्पर्य यह नहीं कि गुरु सब कुछ लेकर चलता बने। जो शिष्य के धन, संपत्ति इत्यादि पर ही नजर रखता है, वह गुरु कहलाने लायक भी नहीं हो सकता। आजकल दुर्भाग्यवश तथाकथित गुरुओं की ही बाढ़ आ गई है। हम सभी सद्गुरु के बताए रास्ते पर चलें, हम गुरुओं की पूजा करते हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी व सच्ची सेवा पूजा उस शिष्य ने की है जो उनके बताए रास्ते पर चलते हैं। हम अधिकांशत संतों, गुरुओं, अवतारों व ग्रंथों को मानते हैं परंतु उनकी नहीं मानते। एक मात्रा के अंतर से सारे लाभ से वंचित रह जाते हैं मात्र उनको नहीं उनकी भी माने। संत, गुरु या प्रभु का मिलना सौभाग्य की बात है परंतु उनकी मानना हमें परम सौभाग्यशाली बना देगा। अच्छे डॉक्टर का मिलना रोगी के लिए सौभाग्य की बात है लेकिन यदि वह रोग से निवृत्ति पूर्ण स्वास्थ्य चाहता है तो डॉक्टर ने जो दवा दी है उसका उपयोग करें। वह उसके बताए परहेज के अनुसार चले। महाराज जी ने वैदिक मंत्रों द्वारा गुरु स्तुति भावविभोर होकर की। गुरु भक्ति के गीत सुनाकर सभी को भावविभोर कर दिया। हजारों लोगों की आंखों में आंसू धारा बहते देखी गई। महाराज श्री के दिव्य प्रवचन को सुनने के लिए चंडीगढ़, अंबाला, हिमाचल, पंजाब, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा, उत्तरांचल, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात, उड़ीसा से भारी संख्या में भक्तजन यहां पहुंचे। इस अवसर पर अखंड मानस पाठ, हवन, यज्ञ, भजन, कीर्तन के साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन किया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। टेक चंद शर्मा, नानक शर्मा, पप्पू लहरी, गोविंद सैनी व अन्य कलाकारों ने भावपूर्ण प्रस्तुतियां दी। अंतरराष्ट्रीय स्तर के वेणु कला केन्द्र के कलाकारों ने उडीसी नृत्य की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में हजारों भक्तों के साथ साथ उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी गुरु वंदना करने पहुंचे । उन्होंने इस अवसर पर श्री महाराज जी को राष्ट्र का गौरव व विश्व शांति के सम्वाहक व मानवता के परम पोषक कहा। उन्होंने अपने 44 साल पूर्व के श्री महाराज जी से भेंट व पदयात्रा के दौरान चमत्कारों की चर्चा की। कार्यक्रम में बीजेपी व कांग्रेस के नेताओं सहित कई गणमान्य लोग भी श्री महाराज जी का आशीर्वाद लेने पहुंचे।

जायका इंडिया का

वड़ा पाव

सामग्री – उरद दाल - 1 कप (4 घंटे भीगी हुई), हरी मिर्च 2 (बारीक कटी), अदरक 1 इंच (कद्दूकस किया), हींग एक चुटकी, नमक स्वादानुसार, तेल तलने के लिए

भरावन के लिए – उबले आलू - 2 (मैश किए हुए), हरी मिर्च 1 (बारीक कटी), अदरक आधा इंच (कद्दूकस किया), हल्दी ½ चम्मच, धनिया पत्ती 2 चम्मच (कटी हुई), नमक - स्वादानुसार, तेल 1 चम्मच, राई - ½ चम्मच, करी पत्ता 6-7 पत्तियां

विधि – भीगी हुई उड़द दाल को बिना ज्यादा पानी के पीस लें। गाढ़ा घोल होना चाहिए इसमें हींग, हरी मिर्च, अदरक और नमक मिलाएं। घोल को 5-7 मिनट अच्छे से फेंटें ताकि वह फूले। एक पैन में तेल गरम करें, राई डालें। फिर करी पत्ता, हरी मिर्च और अदरक डालें। अब मैश किए हुए आलू डालें, नमक और हल्दी डालकर अच्छे से मिलाएं। कटी हुई धनिया पत्ती डालें। ठंडा होने दें। हाथ को हल्का गीला करें, थोड़ा बड़ा घोल हथेली पर लें। उसमें थोड़ा आलू भरावन रखकर ऊपर से और थोड़ा घोल डालें और गोल आकार दें अब इसे धीरे से उल्टा करके (स्टफिंग वाला भाग नीचे), गरम तेल में डालें और सुनहरा कुरकुरा होने तक तलें। घोल को जितना अच्छा फेंटेंगे, वड़ा उतना ही फूला और नरम बनेगा। स्टफिंग का स्वाद अपने हिसाब से चिली फ्लेक्स डालकर बढ़ा सकते हैं। इसे नारियल चटनी या इमली की चटनी के साथ परोस सकते हैं।

अमृतसरी पनीर भुर्जी

सामग्री – तेल 1 बड़ा चम्मच, मक्खन 1 छोटा चम्मच, हरी मिर्च 2 बारीक कटी हुई, लहसुन 1 बड़ा चम्मच बारीक कटा, अदरक 1 इंच टुकड़ा बारीक कटा, प्याज 3 बारीक कटे हुए, टमाटर 3 बारीक कटे हुए, नमक स्वादानुसार, बेसन मसाला 3 बड़े चम्मच, पनीर 250 ग्राम कद्दूकस किया हुआ, नींबू का रस 1 बड़ा चम्मच, हरा धनिया 1 बड़ा चम्मच।

बेसन मसाले के लिए – बेसन 3 बड़े चम्मच भुना हुआ, लाल मिर्च पाउडर 1 बड़ा चम्मच, जीरा पाउडर 1 छोटा चम्मच, हल्दी 1 चुटकी, छोले मसाला 1/2 छोटा चम्मच, पाव भाजी मसाला 1० छोटा चम्मच, चाट मसाला- 1/2 छोटा चम्मच, नमक 1/2 छोटा चम्मच, दही- 1/2 कप, दूध 1/4 कप, गर्म तेल 2 बड़े चम्मच।

विधि – बेसन का मसाला बनाने के लिए एक-एक करके सारी सामग्री अच्छी तरह से मिलाएं। इसे एक तरफ रख दें। अब पैन में तेल और मक्खन गर्म करके लहसुन, अदरक और हरी मिर्च भूनें। सुनहरा भूरा होने पर प्याज भूनें। टमाटर मिलाकर एक दो मिनट पकाएं। जब टमाटर गल जाए तो इसमें नमक, बेसन मसाला, पनीर और थोड़ा सा पानी मिलाएं। नींबू का रस मिलाएं और हरे धनिए से सजाकर परोसें।

सेहत

ज्यादा नमक खाने से बढ़ रहा रक्तचाप का खतरा

नई दिल्ली। देश में अत्यधिक नमक खाने से लोगों में उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, हृदय रोग व गुर्दे की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (एनआईई) के वैज्ञानिकों ने चुपके से दस्तक दे रही इस महामारी को लेकर एक रिपोर्ट में चेताया है। वैज्ञानिकों ने इसके समाधान के लिए समुदाय-आधारित नमक कटौती

पर अध्ययन शुरू किया है। उनका कहना है कि कम सोडियम वाले नमक के सेवन से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन व्यक्ति को प्रतिदिन पांच ग्राम से कम नमक खाने की सिफारिश करता है, जबकि शहरी भारतीय रोज करीब 9.2 ग्राम नमक का उपयोग करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह करीब 5.6 ग्राम है। एनआईई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शरण मुरली ने बताया कि कम सोडियम वाला नमक बेहतर विकल्प है। ऐसे मिश्रण जिनमें सोडियम क्लोराइड के एक भाग को पोटेशियम या मैग्नीशियम लवण से बदल दिया जाता है।

वही आलू, वही रोटी!

ओशो की एक कॉलेज में प्रोफेसर की नियुक्ति हुई थी। ज्यादातर प्रोफेसर के घर कॉलेज से काफी दूरी पर थे, इसलिए सब घर से खाना लाते थे और दोपहर में साथ बैठकर खाना खाते थे। ओशो के बगल में बैठे व्यक्ति ने अपना टिफिन खोलते ही कहा, 'वही आलू, वही रोटी !' ओशो को लगा कि हो सकता है उन्हें आलू और रोटी खाना पसंद नहीं है। चूंकि ओशो वहां नए थे, उन्होंने कुछ भी नहीं कहा। अगले दिन फिर वही हुआ। उस प्रोफेसर ने अपना डिब्बा खोला, उसे देखा और आह भरते हुए कहा, 'फिर वही आलू, वही रोटी !' अबकी बार ओशो ने कहा, 'अगर आपको आलू पसंद नहीं हैं तो आप अपने घर में कुछ और बनाने के लिए क्यों नहीं कहते ?' इस पर प्रोफेसर ने कहा, 'घर में किसको कहूंगा! मैं अपना खाना खुद बनाता हूं।' अपने एक प्रवचन में इस प्रसंग को सुनाते हुए ओशो कहते हैं, 'आपने जो किया, जो कर रहे हैं या जो कुछ भी करेंगे, वह आपसे अलग नहीं है। यह आपका जीवन है। अगर आप कष्ट महसूस कर रहे हैं तो यह आपका चुनाव है। अगर खुश हैं तो भी यह आपका निर्णय है। कोई और है ही नहीं। किसी अन्य का दोष नहीं है।

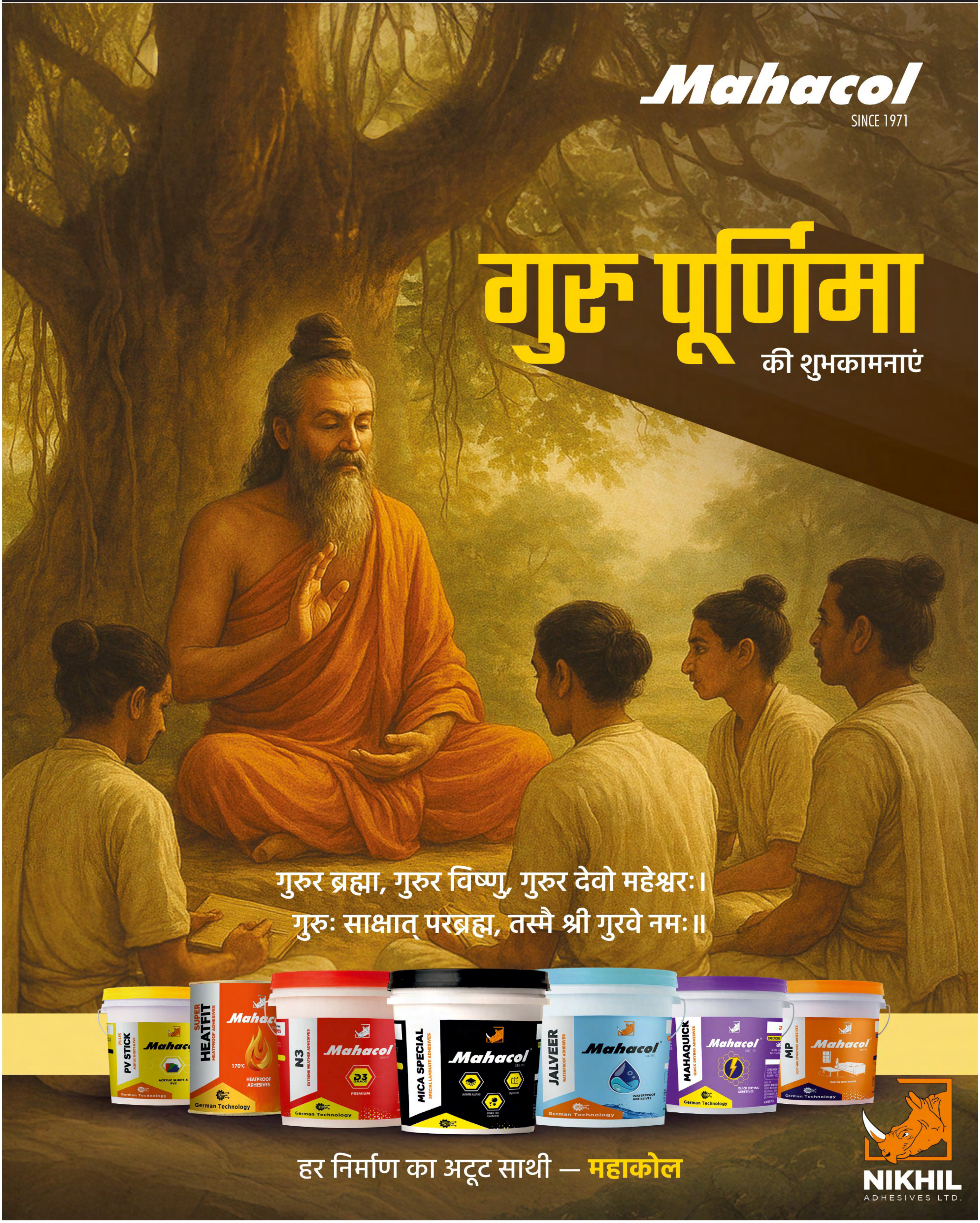
Mahacol
SINCE 1971
गुरु पूर्णिमा
की शुभकामनाएं
गुरुर ब्रह्मा, गुरुर विष्णु, गुरुर देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म, तस्मै श्री गुरवे नमः॥
PV STICK
SUPER HEATFIT
N3
MICA SPECIAL
JALVEER
MAHAQUICK
MP
German Technology
हर निर्माण का अटूट साथी — महाकोल
NIKHIL
ADHESIVES LTD.

HARRISON®
Glorious 75 Years
SUVIDHA SCHEME
OFFER !!
के तहत
बम्पर उपहार
बनो हरीसन का Mr. आनंद
रहो हमेशा आनंद में
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com
9599281937
नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।
टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795

HARRISON®
Glorious 75+ Years

घर घर हरीसन
अब हर घर में हरीसन

हरीसन कारपेंटर्स महासम्मेलन

विजेता

हरीसन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ द्वारा आयोजित "हरीसन कारपेंटर्स महासम्मेलन" का भव्य आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों दक्ष कारपेंटर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम कारीगरों के समर्पण, मेहनत और उत्कृष्ट शिल्पकला को सम्मानित करने हेतु आयोजित किया गया था। आयोजन में हरीसन के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र, उपहार व विशेष सम्मान प्रदान किए। मंच पर डिज़ाइन इनोवेशन, आधुनिक उपकरणों के उपयोग और क्वालिटी वर्क पर संवाद हुआ। साथ ही, कंपनी ने अपने आगामी उत्पादों की झलक भी प्रस्तुत की। यह महासम्मेलन हरीसन की उस भावना को दर्शाता है जिसमें वह अपने कारपेंटर्स को केवल भागीदार नहीं, बल्कि अपने परिवार का अहम हिस्सा मानता है। यह आयोजन हर वर्ष नई प्रेरणा लेकर आता है।

चेयरमैन क्लब विजेता

आपकी मेहनत के लिए, नया सहारा
कारपेंटर भाइयों के लिए नई सौगातें!

झटपट लगाएं,
चैन से इस्तेमाल करें

हरीसन प्रोडक्ट पॉइंट अर्जित करने का तरीका किया और भी आसान
मात्र क्यू आर कॉड को स्कैन करने पर पाए उपहार

हरीसन का नया QR स्कैनिंग फीचर – कारपेंटर्स के लिए आसान इनाम!
देश के भरोसेमंद ब्रांड हरीसन ने कारपेंटर्स के लिए QR स्कैनिंग फीचर लॉन्च किया है, जिससे उपहार जीतना अब और भी आसान हो गया है।
कारपेंटर्स को हरीसन प्रोडक्ट की पैकिंग में दिए गए QR कोड को स्कैन करना है, और उनके रजिस्टर्ड प्रोफाइल पर पॉइंट्स अपने आप जुड़ जाएंगे। अब प्रोडक्ट की कट्टिंग संभालने की जरूरत नहीं, बस स्कैन करें और इनाम पाएं।
यह पहल कारपेंटर्स की सहूलियत और प्रोत्साहन के लिए की गई है। हरीसन हमेशा अपने कारीगरों के साथ खड़ा है!

उपहार जीतने की प्रक्रिया

स्टेप 1 — मोबाइल मे हरीसन सुविधा एप्लीकेशन डाउनलोड करे, और अपनी ID बनाकर लॉगिन करे।

स्टेप 2 — प्रोडक्ट पैक के अंदर लगे QR CODE को सुविधा एप्लीकेशन मे स्कैन करे और MRP के बराबर पॉइंट इकट्ठा करे।

स्टेप 3 — दिये गये 7 उपहार के आधार पर अपने पॉइंट REDEEM करे, और उपहार जीते

Suvidha
iSoftCare Technology

प्ले स्टोर पर (HARRISON SUVIDHA APP) सर्च कर के हरीसन लोगो एप्लीकेशन अपने फ़ोन मे इनस्टॉल करे।

Advt

#harrison_carpentermeet

Find Us On : | Toll Free No. 1800-572-5795

सभी महीनों में सर्वोत्तम श्रावण

श्रावण मास को मासोत्तम मास कहा जाता है यह माह अपने हर एक दिन में एक नया सवेरा दिखाता इसके साथ जुड़े समस्त दिन धार्मिक रंग और आस्था में डूबे होते हैं। शास्त्रों में सावन के महात्म्य पर विस्तार पूर्वक उल्लेख मिलता है। श्रावण मास अपना एक विशिष्ट महत्व रखता है। श्रवण नक्षत्र तथा सोमवार से भगवान शिव शंकर का गहरा संबंध है। इस मास का प्रत्येक दिन पूर्णता लिए हुए होता है। धर्म और आस्था का अटूट गठजोड़ हमें इस माह में दिखाई देता है इस माह की प्रत्येक तिथि किसी न किसी धार्मिक महत्व के साथ जुड़ी हुई होती है। इसका हर दिन व्रत और पूजा पाठ के लिए महत्वपूर्ण रहता है। हिंदू पंचांग के अनुसार सभी मासों को किसी न किसी देवता के साथ संबंधित देखा जा सकता है उसी प्रकार श्रावण मास को भगवान शिव जी के साथ देखा जाता है इस समय शिव आराधना का विशेष महत्व होता है।

जलाभिषेक के साथ पूजन

भगवान शिव इसी माह में अपनी अनेक लीलाएं रचते हैं। इस महीने में गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, पंचाक्षर मंत्र इत्यादि शिव मंत्रों का जाप शुभ फलों में वृद्धि करने वाला होता है। पूर्णिमा तिथि का श्रवण नक्षत्र के साथ योग होने पर श्रावण मास का स्वरूप प्रकाशित होता है। श्रावण माह के समय भक्त शिवालय में स्थापित, प्राण-प्रतिष्ठित शिवलिंग या धातु से निर्मित लिंग का गंगाजल व दुग्ध से रुद्राभिषेक कराते हैं। शिवलिंग का रुद्राभिषेक भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इन दिनों शिवलिंग पर गंगा जल द्वारा अभिषेक करने से भगवान शिव अति प्रसन्न होते हैं। शिवलिंग का अभिषेक महा फलदायी माना गया है। इन दिनों अनेक प्रकार से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है जो भिन्न भिन्न फलों को प्रदान करने वाला होता है। जैसे कि जल से वर्षा और शीतलता की प्राप्ति होती है। दुग्धाभिषेक एवं घृत से अभिषेक करने पर योग्य संतान कि प्राप्ति होती है। ईख के रस से धन संपदा की प्राप्ति होती है। कुशोदक से समस्त व्याधि शांत होती है। दधि से पशु धन की प्राप्ति होती है और शहद से शिवलिंग पर अभिषेक करने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

शिवलिंग पर जलाभिषेक का महत्व

इस श्रावण मास में शिव भक्त ज्योतिर्लिंगों का दर्शन एवं जलाभिषेक करने से अश्वमेध यज्ञ के समान फल प्राप्त करता है तथा शिवलोक को पाता है। शिव का श्रावण में जलाभिषेक के संदर्भ में एक कथा बहुत प्रचलित है जिसके अनुसार जब देवता और राक्षसों ने मिलकर अमृत प्राप्ति के लिए सागर मंथन किया तो उस मंथन समय समुद्र में से अनेक पदार्थ उत्पन्न हुए और अमृत कलश से पूर्व कालकूट विष भी निकला। उसकी भयंकर ज्वाला से समस्त ब्रह्माण्ड जलने लगा इस संकट से व्यथित समस्त जन भगवान शिव के पास पहुंचे और उनके समक्ष प्रार्थना करने लगे, तब सभी की प्रार्थना पर भगवान शिव ने सृष्टि को बचाने हेतु उस विष को अपने कंठ में उतार लिया और उसे वहीं अपने कंठ में अवरूद्ध कर लिया।

जिससे उनका कंठ नीला हो गया और वे नीलकंठ कहलाये। समुद्र मंथन से निकले उस हलाहल के पान से भगवान शिव भी तपन को सहा। अतः मान्यता है कि वह समय श्रावण मास का समय था और उस तपन को शांत करने हेतु देवताओं ने गंगाजल से भगवान शिव का पूजन व जलाभिषेक आरंभ किया, तभी से यह प्रथा आज भी चली आ रही है। प्रभु का जलाभिषेक करके समस्त भक्त उनकी कृपा को पाते हैं और उन्हीं के रस में विभोर होकर जीवन के अमृत को अपने भीतर प्रवाहित करने का प्रयास करते हैं।

सावन माह के बारे में एक अन्य पौराणिक कथा है कि- जब सनत कुमारों ने भगवान शिव से उन्हें सावन महीना प्रिय होने का कारण पूछा तो भगवान भोलेनाथ ने बताया कि जब देवी सती ने अपने पिता दक्ष के घर में योग शक्ति से शरीर त्याग किया था, उससे पहले देवी सती ने महादेव को हर जन्म में पति के रूप में पाने का प्रण किया था। अपने दूसरे जन्म में देवी सती ने पार्वती के नाम से हिमाचल और रानी मैना के घर में पुत्री के रूप में जन्म लिया। पार्वती ने युवावस्था के सावन महीने में निराहार रह कर कठोर व्रत किया और शिव को प्रसन्न कर उनसे विवाह किया, जिसके बाद ही महादेव के लिए यह विशेष हो गया। इसके अतिरिक्त एक अन्य कथा के अनुसार, मरकंडू ऋषि के पुत्र मारकण्डेय ने लंबी आयु के लिए सावन माह में ही घोर तप कर शिव की कृपा प्राप्त की थी, जिससे मिली मंत्र शक्तियों के सामने मृत्यु के देवता यमराज भी नतमस्तक हो गए थे।

भगवान शिव को सावन का महीना प्रिय होने का अन्य कारण यह भी है कि भगवान शिव सावन के महीने में पृथ्वी पर अवतरित होकर अपनी ससुराल गए थे और वहां उनका स्वागत अर्घ्य और जलाभिषेक से किया गया था। माना जाता है कि प्रत्येक वर्ष सावन माह में भगवान शिव अपनी ससुराल आते हैं। भू-लोक वासियों के लिए शिव कृपा पाने का यह उत्तम समय होता है। पौराणिक कथाओं में वर्णन आता है कि इसी सावन मास में समुद्र मंथन किया गया था। समुद्र मथने के बाद जो हलाहल विष निकला, उसे भगवान शंकर ने कंठ में समाहित कर सृष्टि की रक्षा की; लेकिन विषपान से महादेव का कंठ नीलवर्ण हो गया। इसी से उनका नाम 'नीलकंठ महादेव' पड़ा। विष के प्रभाव को कम करने के लिए सभी देवी-देवताओं ने उन्हें जल अर्पित किया। इसलिए शिवलिंग पर जल चढ़ाने का खास महत्व है। यही वजह है कि श्रावण मास में भोले को जल चढ़ाने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। 'शिवपुराण' में उल्लेख है कि भगवान शिव स्वयं ही जल हैं। इसलिए जल से उनकी अभिषेक के रूप में आराधना का उत्तमोत्तम फल है, जिसमें कोई संशय नहीं है।

शास्त्रों में वर्णित है कि सावन महीने में भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। इसलिए ये समय भक्तों, साधु-संतों सभी के लिए अमूल्य होता है। यह चार महीनों में होने वाला एक वैदिक यज्ञ है, जो एक प्रकार का पौराणिक व्रत है, जिसे 'चौमासा' भी कहा जाता है; तत्पश्चात सृष्टि के संचालन का उत्तरदायित्व भगवान शिव ग्रहण करते हैं। इसलिए सावन के प्रधान देवता भगवान शिव बन जाते हैं।

शिवलिंग है महादेव का प्रथम रूप

शिव यानि कल्याणकारी होने के साथ ही बहुत भोले हैं और इसी भोलेपन की वजह से उन्हे भोला कहते हैं उन्हें अपनी सादगी व सहज प्रसन्न हो जाने के गुण से देव नहीं महादेव का दर्जा मिला है।

उनके पास अपने लिए भले ही वैभव न हो, पर वे अपने भक्तों के लिए हर वैभव प्रदान करते हैं। वाहन के नाम पर मात्र, नंदी और संपदा के नाम पर केवल एक मृगछाला, कमंडल और त्रिशूल मात्र रखने वाले शिव तीन लोक धरती पर बसा कर खुद वीराने में रहते हैं। भले ही कंठ में विष और गले में सांप की माला हो पर त्रिलोकी शिव सबके जीवन में अमृत ही घोलते हैं। पुराणों के अनुसार शिव कल्याण के प्रतीक हैं वे पूरी तरह काम मुक्त, वीतरागी सृष्टि को हरा भरा रखने वाले देव हैं और देव-दानव, मानव, किन्नर सबका हित करते हैं।

शिव अगर विश्व कल्याण का प्रतीक है तो रात्रि अज्ञान अंधकार से होने वाले नैतिक पतन का द्योतक है। शिव मानव मात्र को सत्य ज्ञान द्वारा अंधकार से प्रकाश की ओर, असत्य से सत्य की ओर ले जाते हैं। कहने वाले कहते हैं कि भगवान शिव एक लोटा जल प्रतिदिन शिव पर चढ़ाने मात्र से प्रसन्न हो जाते हैं और सबका कल्याण करते हैं। शिवरात्रि पर तो उपवास मात्र से ही इच्छित सुख की प्राप्ति होती है।

शिव के भक्तों का मानना है कि शिव के अतिरिक्त संसार में कुछ भी सत्य नहीं है। वे ही अनादि अनंत और सृष्टि के विनाशक व कर्ता हैं। भले ही शिव में तीनों लोकों को नष्ट करने की शक्ति हो पर वे ऐसा तब तक नहीं करते जब तक कि ब्रहमांड में एक भी कल्याणकारी तत्व मौजूद रहता है जब अधर्म असहनीय हो जाए तो शिव तीसरा नेत्र खोलकर सृष्टि का विनाश कर नई सृष्टि के निर्माण पथ प्रशस्त करते हैं।

भगवान शिव जितने सरल है उतने ही रहस्यमय भी हैं। उनका रहन-सहन, आवास, गण आदि सभी देवताओं से भिन्न हैं। वह अकेले ऐसे देव हैं जो वैभव से दूर श्मशान में भस्म रमाकर रहते हैं, और भाले इतने कि रावण, भस्मासुर तक को वरदान दे देते हैं राक्षसों को भी अभय दे देते हैं पर जब ये शक्तियां विनाशक व अनियंत्रित हो जाती हैं तो वे ही इनका नाश भी करते हैं। विश्व कल्याण के लिए वे स्वयं विषपान करते हैं और स्वयं नीलकंठ बन सब कष्ट सह जाते हैं। पुराणों व मिथकों के अनुसार भगवान शिव ज्योतिर्लिंग रूप में प्रकट हुए थे। पौराणिक कथाओं के के अनुसार भगवान विष्णु की नाभि से ब्रह्मा जी का जन्म हुआ पर जल्द ही हम दोनों में श्रेष्ठ कौन है का विवाद होने लगा इस पर वहां एक अद्भुत ज्योतिर्लिंग प्रकट हुआ। उस ज्योतिर्लिंग को वे समझ नहीं सके और उसके छोर का पता लगाने का प्रयास किया, परंतु सफल नहीं हो पाए। जब दोनों देवता निराश हो गए तब उस ज्योतिर्लिंग ने अपना परिचय देते हुए कहा मैं शिव हूं, और मैंने ही आप दोनों को उत्पन्न किया है। तब से ही विष्णु तथा ब्रह्मा ने भगवान शिव की महत्ता को स्वीकार किया और उसी दिन से शिवलिंग की पूजा की जाने लगी।

मिथ्या सांसारिक संबंध

एक बार इटली के संत फ्रांसिस के पास एक सात्संगी युवक आया। उन्होंने उससे हालचाल पूछा तो वह बोला, 'मुझ सा सुखी दूसरा कोई का होगा। मेरे परिवार के सभी लोग मुझ पर जान छिड़कते हैं।' संत बोले, इस दुनिया में अपना कोई नहीं होता। जहां तक मां बाप की सेवा और पत्नी, बच्चों के भरण पोषण का संबंध है उसे तो अपना कर्तव्य समझ कर ही करते रहना चाहिए। उनके प्रति मोह या आसक्ति रखना उचित नहीं है।'

युवक को यह बात जंची नहीं। यह बोला, 'आपको अंदाजा नहीं, मेरे परिचार के लोग मुझसे कितना स्नेह रखाने हैं। यदि एक दिन मैं घर पर ना आऊं तो सभी घर वालों की भूख प्यास उड़ जाती है। पत्नी तो मेरे बिना जीवित ही नहीं रह सकती।' संत बोले, 'मैं तुम्हें एक प्रयोग करके सच्चाई बताता हूँ। तुम्हें प्राणायाम तो आता ही होगा। कल सुबह उठने के बाद तुम प्राणवायु मस्तक में खींचकर, निश्चित होकर पड़े रहना। मैं आकर सब संभाल लूंगा।' दूसरे दिन युवक ने वैसा ही किया। उसे निर्जीव जानकर घर वाले लोग विलाप करने लगे। इतने में संत फ्रांसिस वहां पर पहुंच गए। सब लोग उनके चरणों पर गिर पड़े। संत उसकी बोले, 'आप लोग शोक ना करो। मैं मंत्र के बल पर इसे जिंदा करने का प्रयत्न करूंगा। मगर इसके लिए कटोरी भर पानी किसी को पीना पड़ेगा। उस पानी में ऐसी शक्ति होगी कि पानी पीने वाला तो मर जाएगा मगर उसके बदले यह युवक जी उठेगा। यह सुनते ही सब एक-दूसरे का मुंह देखने लगे।

पानी पीने के लिए किसी को भी आगे ना आते देख संत बोले, 'तब तो मैं ही पानी पीता हूं।' इस पर सब बोल उठे, 'महाराज आप धन्य है। आपके लिए जीवन मृत्यु एक समान है। यदि आप इसको जिंदा कर सको, तो बड़ी कृपा होगी। युवक संत के कथन का मर्म समझ चुका था। वह प्राणायाम समाप्त कर उठ बैठा और बोला, 'महाराज आप पानी पीने का कष्ट ना करें। सांसारिक संबंध क्षणिक और मिथ्या होते हैं, यह मैं जान गया हूं। आपने मेरी आंख खोल दी। मैं आपका आजन्म आभारी रहूंगा।

युवा बनाएंगे भारत को विश्व गुरु - नितिन गडकरी

कारपेंटर्स न्यूज़ @ मुंबई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि किसी भी देश के विकास में वहां के नागरिकों का योगदान महत्वपूर्ण होता है। भारत को विश्व गुरु बनाने की जिम्मेदारी भावी पीढ़ियों पर है जो अच्छे संस्कार और नॉलेज पावर से देश का नाम रोशन करेंगे।

दादर (पूर्व) योगी सभागृह में आरआर ग्लोबल की सामाजिक गतिविधियों की परोपकारी इकाई हेमा फाउंडेशन की ओर से आयोजित हेमोत्सव 2025 में गडकरी ने कहा कि नॉलेज पावर के बिना हमारा जीवन अधूरा है, लेकिन नॉलेज को आर्थिक प्रगति, डिग्री के साथ सुसंस्कृत भी बनाना चाहिए। माता पिता और स्कूल के संस्कार से जीवन बदलता है। गलत व्यक्ति भी अच्छे संस्कार से गुणवान व्यक्ति बन जाता है।

उन्होंने कहा कि जीवन मूल्य बाजार में नहीं मिलता है, इसे शिक्षा के माध्यम से ही ग्रहण किया जा सकता है। हमारा इतिहास संस्कृति विरासत में मिली है जिससे प्रेरणा लेकर हम भारतीय जीवन मूल्यों के आदर्शों को आत्मसात कर सकते हैं। गडकरी ने हेमा फाउंडेशन की ओर से संस्कार, संस्कृति, सभ्यता और मूल्य आधारित शिक्षा के उत्थान के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज के प्रति यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि महाराज ने कहा कि जीवन मूल्यों को बचाने के लिए जीवन समर्पित संस्कार जरुरी है। बिना संस्कार के कारण पढ़ा लिखा व्यक्ति भी राक्षस बन जाता है। शिक्षा के साथ संस्कार आये तो व्यक्ति दैवत्य बन जाता है। हेमा फाउंडेशन के चेयरमेन व मैनेजिंग ट्रस्टी महेंद्र काबरा ने कहा कि वर्तमान में बच्चों के शिक्षा में सामाजिक जुड़ाव के साथ नैतिक मूल्यों की जरुरत है। इस अवसर पर हेमा फाउंडेशन की ट्रस्टी डॉ. चीनू अग्रवाल, फिल्म अभिनेता राजपाल यादव, फिल्म अभिनेता मनोज जोशी, विधायक संजय उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा समिति में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

मुंबई। विश्वकर्मा समिति मुंबई के प्रांगण में निर्मित श्री विश्वकर्मा मंदिर के नौवें स्थापना दिवस के अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। आयोजित समारोह में संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि शिक्षा और संस्कार से ही समाज आगे बढ़ेगा। हम सबको बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करने की जरूरत है।

एडवोकेट टी एस विश्वकर्मा ने कहा कि परिश्रम करते रहना चाहिए, परिश्रम से सफलता हासिल होगी। विश्वकर्मा फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज की सभी संस्थाओं को मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें भाषा विवाद में नहीं पड़ते हुए मराठी भाषा को सीखना चाहिए क्योंकि हम जिस प्रांत में रहते हैं वहां की भाषा को प्राथमिकता देना चाहिए। श्री विश्वकर्मा वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष लालजी विश्वकर्मा ने कहा कि पहचान बनाने के लिए योग्यता होना चाहिए और योग्यता के लिए शिक्षा जरूरी है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज की सामाजिक संस्थाओं को आर्थिक तौर कमजोर बच्चों की सहायता करना चाहिये। इस अवसर पर संस्था के चेयरमेन सुनील राना, महासचिव जे. पी. शर्मा आदि ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में 90 प्रतिशत तक अंक पाने वाले विद्यार्थियों पायल, दीपिका, अनामिका, अंजलि, आकृति,आंचल, शुभम आदि का सम्मान किया गया।

स्कूल की मरम्मत में लगे 168 मजदूर, 65 मिस्त्री

भोपाल। मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। हाल ही में मंत्री संपतिया उइके पर 1,000 करोड़ रुपए की घूसखोरी के आरोप लगे थे, वहीं अब शहडोल जिले से एक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है।

ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र स्कूल में मरम्मत कार्य के नाम पर चौंकाने वाला घोटाला सामने आया है। इस सरकारी स्कूल में केवल चार लीटर ऑयल पेंट की पुताई के लिए दस्तावेजों में 168 मजदूर और 65 राजमिस्त्री दिखाए गए हैं। इस काम के लिए 1,06,984 रूपयों की पेमेंट कर दी गई, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। बिल सुधाकर कंस्ट्रक्शन नामक एजेंसी ने 5 मई को बिल जारी किया, लेकिन प्राचार्य ने उसी बिल को एक महीने पहले यानी 4 अप्रैल को ही सत्यापित कर दिया। यह विसंगति पूरे बिल की वैधता पर सवाल खड़े कर रही है।

एक देश एक समय जल्द लागू होगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार भारतीय मानक समय के अनिवार्य उपयोग के लिए नियम जल्द अधिसूचित करेगी। इस नियम के लागू होने से देश की सभी घड़ियां, मोबाइल, रेलवे, वित्तीय बाजार, ग्रिड, दूरसंचार और परिवहन सहित सभी क्षेत्रों के बीच एक सेकेंड के हजारवें हिस्से का भी फर्क नहीं आएगा। सरकार एक जनवरी 2026 से 'एक देश, एक समय' योजना के तहत भारतीय मानक समय को लागू कर सकती है। केंद्रीय उपभोक्ता मंत्री प्रल्हाद जोशी ने आईएसटी के प्रसार के लिए बैठक की।

जातीय जनगणना से बदलेगी विश्वकर्मा समाज की तस्वीर

पूर्व शिक्षा मंत्री विश्वकर्मा ने दिया एकजुटता का संदेश

शिव प्रकाश विश्वकर्मा@ लखनऊ। यूपी सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि केंद्र की सरकार ने देश में जातीय जनगणना कराने का फैसला लिया है, जातीय जनगणना से विश्वकर्मा समाज की सामाजिक एकजुटता दिखेगी।

दारूलशफा सभागार में अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा और सम्बद्ध सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक में उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज को जातीय जनगणना कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। पूरे देश में विश्वकर्मा समाज की जनसंख्या करीब 15 करोड़ है। सभी प्रदेशों में विश्वकर्मा समाज की जनसंख्या 7 से 10 प्रतिशत है जो राजनीति में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। विश्वकर्मा समाज में अलग अलग टाइटल और अनेक उपजाति में विभक्त होने के कारण विश्वकर्मा समाज की पूरी जनसंख्या रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पा रही है। यही कारण है कि विश्वकर्मा समाज एकजुट नहीं हो पा रहा है।

अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि पूरे देश में विश्वकर्मा समाज शर्मा, विश्वकर्मा, पांचाल, धीमान, जांगिड़, टांक, शिल्पकार, स्वर्णकार, ठठेरा, कसेरा, मैथिल, रामगढिया, झा, ओझा, सैफी सहित लगभग 142 आदि नामों से जाने जाते हैं, जो मूलतः लौहकार, काष्ठकार, ताम्रकार, शिल्पकार और स्वर्णकार की श्रेणी में आते हैं। अगर अलग- अलग जाति उपजाति से जनगणना कराई जायेगी तो विश्वकर्मा समाज की जनसंख्या टुकड़े-टुकड़े होने से नगण्य हो जायेगी। विश्वकर्मा समाज के लोग एक नाम से जनगणना कराएंगे तो बहुत बड़ा रिकॉर्ड विश्वकर्मा समाज का बनेगा। पूर्व मंत्री ने कहा विश्वकर्मा समाज के लोग अपनी इच्छानुसार नाम व टाइटल कुछ भी लिखे, लेकिन जनगणना के समय जाति के कालम में विश्वकर्मा लिखकर सभी लोग अपनी जनगणना कराएंगे तो विश्वकर्मा के नाम से पूरे देश में बहुत बड़ी जनसंख्या परिलक्षित होगी, जो देश की राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनेगा और विश्वकर्मा समाज को राजनीति और सरकार में अच्छी हिस्सेदारी मिलेगी। विश्वकर्मा समाज के व्यक्ति को चुनाव में टिकट मांगने पर जो राजनैतिक दल जनसंख्या का सवाल उठाते हैं उनको भी जवाब मिल जाएगा और भविष्य में विश्वकर्मा समाज से कोई सवाल नहीं उठायेगा।

प्रदेश अध्यक्ष अच्छेलाल विश्वकर्मा, इं विजेश शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. शशिकांत विश्वकर्मा, राष्ट्रीय सचिव पवन झा, राष्ट्रीय सचिव शिव कुमार विश्वकर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सूरजबली विश्वकर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष श्यामलाल विश्वकर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हरीश मैथिल सहित जनपदों के कई पदाधिकारियों ने सहमति जताई और सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महासचिव राजेश विश्वकर्मा ने किया।

पंचायत मेरे लिए एक बड़ा सपोर्ट

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सानविका, जिनका असली नाम पूजा सिंह है, ने हाल ही में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में समानता और सम्माज की कमी को लेकर एक भावुक इंस्टाग्राम स्टोरी साझा की। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में लिखा, 'कभी-कभी लगता है, काश मैं इंडस्ट्री की इनसाइडर होती या फिर किसी बहुत ताकतवर बैकग्राउंड से आती। शायद चीजें आसान होतीं। कम से कम सम्मान और बराबरी का व्यवहार तो मिलता। मेरी लड़ाइयां थोड़ी कम होती, पर फिर भी टिकी हूं। हालांकि उन्होंने इस पोस्ट के जरिए किसी खास घटना का जिक्र नहीं किया, लेकिन उनके शब्दों से साफ झलकता है कि इंडस्ट्री में संघर्षरत कलाकारों को किस तरह की मानसिक चुनौतियों से गुजरना पड़ता है।

मध्य प्रदेश के जबलपुर से ताल्लुक रखने वाली सानविका ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़कर अभिनय को अपना करियर चुना। मुंबई आकर उन्होंने पहले कॉस्ट्यूम असिस्टेंट के रूप में काम किया और फिर ऑडिशन देना शुरू किया। 'पंचायत 2' के अलावा वह 'लखन लीला भार्गव' और 'हजामत' जैसी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

पिछले साल एक इंटरव्यू में उन्होंने 'पंचायत' को एक सरकारी नौकरी जैसा सहारा बताया था। उन्होंने कहा था पंचायत मेरे लिए एक बड़ा सपोर्ट है। यह वैसा ही है जैसे एक सरकारी नौकरी की सुरक्षा होती है। इसके चलते मैं बाकी प्रोजेक्ट्स में एक्सपेरिमेंट कर पाती हूं। मेकर्स ने मेरी भूमिका की प्रगति को पहले से ही प्लान कर रखा था, पहले सीजन में चंद सेकंड्स की झलक और फिर धीरे-धीरे आगे बढ़ती भूमिका। इस सीजन में जितेंद्र कुमार के साथ नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और पंकज झा हैं।

फोटोग्राफरों पर भड़कीं जरीन

बॉलीवुड अभिनेत्री जरीन खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह पब्लिकली सलाह देती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस उन पर गुस्सा करती हैं कि उनकी तस्वीरें पीछे से क्लिक नहीं करें। फोटोग्राफर्स के गलत एंगल से कैद किए जाने पर वो काफी ज्यादा असहज हो गईं। दरअसल फोटोग्राफर्स ने एक्ट्रेस को स्पॉट किया और फोटो क्लिक करने लगे। जरीन ने भी उनका खुले दिल से स्वागत किया। लेकिन जैसे ही वो मुड़ती हैं मामला थोड़ा सा बिगड़ जाता है। उन्हें यह पसंद नहीं आता कि कोई पीछे से उनकी फोटो ले। जरीन तुरंत मुड़ती हैं और कहती हैं, मुझे देखो, ये नहीं, यानी मेरा चेहरा देखो, पीछे फोकस मत करो। इस दौरान एक्ट्रेस ने लेमन ग्रीन कलर का कुर्ता और डेनिम जींस पहनी हुई थी। बता दें जरीन खान ने अपने करियर की शुरुआत साल 2010 में एक मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर की थी। इसके बाद जरीन खान को सलमान खान के साथ फिल्म वीर का ऑफर मिला। शुरुआत अच्छी रही, लेकिन कैटरीना कैफ से लगातार तुलना उनके करियर के लिए एक बड़ी बाधा बना और उन्हें आगे फिल्में मिलना बंद हो गई।

कियारा को भाया ऋतिक का संग

अभिनेत्री कियारा आडवाणी 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने 'ग्रीक गॉड' के साथ काम करने के अनुभव को अविस्मरणीय बताया। कियारा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने का अनुभव शानदार और कभी न भूल पाने वाला रहा। अपनी अगली फिल्म के लिए उत्साह जताते हुए कियारा ने कहा, आदि सर और अयान के साथ ही पूरी शानदार टीम के साथ काम करने का अनुभव भी काफी उत्साह भरा रहा। हम 'वॉर 2' के एक्शन और रोमांच को दुनिया के सामने पेश करने के लिए उत्साहित हैं और बेसब्री से इंतजार है।

ऋतिक ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट के साथ मोस्ट अवेटेड सीक्वल की शूटिंग पूरी होने की घोषणा की थी। कियारा की तारीफ करते हुए ऋतिक ने लिखा, कियारा आडवाणी, मैं दुनिया को आपका विलेन का रोल दिखाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। आपके साथ स्क्रीन साझा करना शानदार रहा है। फिल्म में कियारा और ऋतिक की मुख्य ऑन-स्क्रीन जोड़ी है। ऋतिक ने लिखा कि कबीर को रैप-अप कहना हमेशा थोड़ा दुखद होता है, सामान्य महसूस करने में कुछ दिन लगेंगे। अब 14 अगस्त 2025 को आप सभी के सामने अपनी फिल्म पेश करने की यात्रा पर।

फिर से चलेगा उदित नारायण का जादू

बॉलीवुड सिंगर उदित नारायण एक बार फिर अपनी आवाज का जादू बिखेरने को तैयार हैं। अपकमिंग हिंदी फिल्म 'मैंने प्यार किया फिर से' में उन्होंने एक गाने और फिल्म के टाइटल ट्रैक को अपनी आवाज दी है। फिल्म में एक्टर अरबाज खान लीड रोल में हैं। इस फिल्म का निर्माण रोनी रॉड्रिग्स अपने प्रोडक्शन हाउस पीबीसी मोशन पिक्चर के बैनर तले कर रहे हैं, जबकि निर्देशन साबिर शेख कर रहे हैं। फिल्म का संगीत अनुभवी संगीतकार दिलीप सेन ने तैयार किया है और गीतों को स्वयं निर्माता रोनी रॉड्रिग्स ने लिखा है, जो इस प्रोजेक्ट को और भी खास टच देने को तैयार हैं। उदित नारायण ने रिकॉर्डिंग के बाद कहा कि इस फिल्म का संगीत दिल को छूने वाला है। रोनी के लिखे गीत सच्चाई और भावनाओं से भरे हैं। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह फिल्म मेरे लिए भी बेहद खास है।

'मैंने प्यार किया फिर से' एक इमोशनल फैमिली ड्रामा है, जो प्यार, रिश्तो और जीवन के कई रंगों को खूबसूरती से पेश करती है। फिल्म के स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें अरबाज खान के साथ एक्टर धर्मेन्द्र, विद्या मालवडे, नायरा एम. बनर्जी, चित्रांशी रावत, राजपाल यादव, रंजीत और हेमंत पांडे जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं।

एक्शन दृश्यों को मशहूर एक्शन डायरेक्टर मोहन बग्गड़ ने कोरियोग्राफ किया है, जो फिल्म को और भी रोमांचक बनाएंगे। फिल्म की शूटिंग 23 जुलाई से मुंबई में शुरू होगी। निर्माता रोनी रॉड्रिग्स फिल्म की कहानी और गीत लेखन में भी योगदान दे रहे हैं, इसे एक यादगार सिनेमा अनुभव बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उदित नारायण ने नेपाली फिल्म से सिंगिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में 'उन्नीस-बीस' से डेब्यू किया। हालांकि, उनकी किस्मत आमिर खान की फिल्म से बदली थी।

आदित्य चोपड़ा मेरे गुरु

फिल्म निर्माता सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने 'महाराज' के निर्माण के दौरान आदित्य चोपड़ा से मिले भावनात्मक सहयोग के बारे में बात की। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने बताया कि आदित्य चोपड़ा ने हमेशा उनका उत्साह बढ़ाया। इससे वह मुश्किल समय में भी हिम्मत बनाए रख सके। खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान, उन्होंने खुद को मजबूत बनाए रखा। उन्होंने कहा कि मेरी जिंदगी में ऐसे पल बहुत आए, जब मेरी उम्मीद पूरी तरह टूट गई थी, खासकर कोरोना के दो सालों में। लेकिन परिवार ही है जो आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। 'महाराज' में लीड एक्टर निभाने वाले जुनैद खान भी मेरे लिए बेटे जैसा है। ऐसे वक्त में हम एक-दूसरे का सहारा बने।

दीपिका ने बताया सेल्फ केयर का मतलब

दीपिका पादुकोण ने अपनी इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की है। अभिनेत्री ने फेस मास्क लगाया हुए और दर्पण के सामने पोज देते हुए हल्की मुस्कान बिखेरती नजर आ रही हैं। दीपिका ने मैसेज में कहा कि मेरे लिए सेल्फ केयर उन छोटे छोटे रोजमर्रा के कार्यों को अपनाने के बारे में है, जो खुशी लाते हैं। दीपिका ने अपने प्रशंसकों से आग्रह किया कि वे अपने लिए कुछ पल निकालें। दीपिका हमेशा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए जानी जाती हैं। दीपिका अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की फिल्म में शामिल हो गई हैं। फिल्म बनाने वाली कंपनी सन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है, विजय पथ पर अग्रसर रानी। स्वागत है दीपिका पादुकोण। मेकर्स ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें डायरेक्टर एटली और दीपिका पादुकोण सोफे पर बैठे नजर आ रहे हैं। इस दौरान एटली उन्हें अपनी फिल्म की कहानी बताते हैं। वीडियो में दीपिका के कुछ मोशन कैप्चर की भी झलक है, जिसे देख अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह फिल्म में एक योद्धा का किरदार निभाएंगी, जो घोड़े पर सवार है और जिसे तलवार चलाने में महारत हासिल है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

इनोवेशन विकसित भारत के निर्माण की रीढ़

मुंबई @ कारपेंटर्स न्यूज। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि साल 2047 तक विकसित भारत निर्माण के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे देश के लिये इनोवेशन एक मजबूत रीढ़ है और इस दिशा में नीति, अनुसंधान और उद्यम को जोड़ने में आईआईएम मुंबई जैसे शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

डॉ. सिंह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट मुंबई (आईआईएम मुंबई) में आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे। आईआईएम मुंबई ने एआईसी-एनआईटीआईई इनक्यूबेशन फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (एआईसी-एनआईटीआईई) के उद्घाटन के साथ एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर

हासिल किया है। इस दौरान डॉ. सिंह ने कहा कि एआईसी-एनआईएफआईई जैसे केंद्र भारत के डेमोग्राफिक डिविडेंड को मूर्त आर्थिक विकास में बदलने में सहायक होंगे।

डॉ. सिंह ने इस केंद्र की परिकल्पना इनोवेशन को बढ़ावा देने, शुरूआती चरण के स्टार्टअप का समर्थन करने और आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय मिशन के तहत आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए एक परिवर्तनकारी मंच के रूप में की है। उद्घाटन के दौरान डॉ. सिंह ने आईआईएम मुंबई की लीडरशिप सीरीज के तहत विकसित भारत पिछले दशक में भारत के स्टार्टअप की प्रगति और आगे का रास्ता विषय सत्र को संबोधित किया।

अटल इनोवेशन मिशन के तत्वावधान में स्थापित एआईसी-एनआईएफआईई को इनक्यूबेशन, मेंटरशिप, इंडस्ट्री लिंकेज और रिसर्च और टेक्नोलॉजी तक पहुंच के माध्यम से इनोवेटर्स और उद्यमियों को समग्र सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सेंटर भारत के आर्थिक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई चेन, सस्टेनेबिलिटी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में स्टार्टअप के साथ मिलकर काम करेगा। इस अवसर पर आईआईएम मुंबई के डायरेक्टर प्रो. मनोज कुमार तिवारी ने कहा, एआईसी-एनआईएफआईई का शुभारंभ संस्थान के भीतर एक डायनेमिक इनोवेशन इकोसिस्टम के निर्माण की दिशा में एक कदम है।

कामाख्या मंदिर में बांटा 'अंबुबाची वस्त्र'

वाराणसी। कमच्छा स्थित कामाख्या देवी मंदिर में 'अंबुबाची वस्त्र' प्रसाद वितरित किया गया। इस विशेष प्रसाद को पाने के लिए मंदिर में सुबह से रात तक भक्तों का रेला उमड़ा रहा। इसमें महिलाओं की संख्या ज्यादा थी। वस्त्र का एक टुकड़ा प्राप्त करने की उत्सुकता सभी में दिखी। कतारबद्ध श्रद्धालु पहले प्रसाद लेते, इसके बाद माता का दर्शन कर रहे थे। मान्यता है कि वस्त्र का टुकड़ा जिसे मिल जाता है उसके समस्त कष्ट और विघ्न बाधाएं दूर हो जाती हैं। माता की कृपा प्राप्त होती है।

भारतीय पेंट उद्योग में प्रतिस्पर्धा तेज हुई

नई दिल्ली। भारतीय पेंट उद्योग में नयी कंपनियों के आक्रामक मूल्य निर्धारण और छूट देने से प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है। ऐसे में प्रमुख कंपनियों को चालू वर्ष में भी मामूली वृद्धि की उम्मीद है। उद्योग को शहरी बाजारों से सुस्ती का भी सामना करना पड़ा, जहां उपभोक्ता किफायती विकल्पों की ओर बढ़ रहे।

अखनूर में पहुंची लाइब्रेरी टीम

जम्मू। जन चेतना अभियान के तहत श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी न्यू प्लाट जम्मू की एक टीम बलवंत कटारिया की अगुवाई में तहसील अखनूर के गांव टर्गवाल पहुंची और वहां शिविर लगाया। शिविर में करीब 26 बच्चे और कुछ बड़े लोग शामिल हुए। विद्यार्थियों को मुफ्त कापियां, विश्वकर्मा रिपोर्टर मैगजीन व भगवान विश्वकर्मा के कलैंडर बांटे गए। स्थानीय राजनीतिज्ञ रीता वर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज की महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आना चाहिए, यदि कोई समस्या हो तो वे उनकी मदद के लिए हमेशा तैयार हैं। बलवंत कटारिया ने कहा कि लाइब्रेरी अपने समाज को इज्जतदार, मान सम्मान योग्य और समृद्ध बनाने के लिए घर-घर जाकर अपना अभियान जारी रखे हुए है। लाइब्रेरी हर उस बच्चे की मदद कर रही है जो पढ़ना चाहता है लेकिन पैसे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी अभी तक अलग-अलग गांवों में लगभग 6200 कापियां बांट चुकी है और यह क्रम जारी है। शिविर का आयोजन नेहा वर्मा ने किया। टीम में ओम कटारिया और महेश पंगोत्रा भी शामिल थे।

इंटीरियर से घर को दीजिए क्लासी लुक

हर किसी की चाहत होती है कि हमारा घर खूबसूरत और थोड़ा हटके दिखे। अपने घर को बेस्ट क्लासी लुक देना इतना भी मुश्किल नहीं है। बस, इसके लिए कुछ जरुरी बातें ध्यान में रखनी होंगी।

- दीवारों के लिए नेचुरल कलर्स चुनें। ये देखने में अच्छे लगते हैं और इनके साथ हर रंग शेड को कंबाइन किया जा सकता है। जैसे- ऑफ व्हाइट वॉल और म्यूटेड अपहोल्स्ट्री वाले सोफे के साथ हर रंग स्टाइल के कुशन और एक्सेसरीज सुंदर दिखती है।
- ओक वुड फर्नीचर हर तरह की इंटीरियर थीम और कलर थीम के साथ अच्छे लगते हैं। इसका नेचुरल लुक घर को एलिगेंस देता है।
- क्लासी लुक के लिए लिविंग रूम में एक लीड डेकोर आइटम जरूर लगाएं। यह कोई बड़ी पेंटिंग, सुंदर-सा स्कल्पचर, एंटीक-मिरर आदि कुछ भी हो सकता है।
- गैलरी वॉल पर अलग-अलग स्टाइल के फ्रेम में पेंटिंग लगाएं, ये देखने में अच्छे लगते हैं और इससे इंटीरियर में भी विविधता बनी रहती है।
- हर कमरे में एक एंटीक डेकोर आइटम रखें। अगर कुछ ट्रेंडी चीजें आपके पास हैं, तो उनके साथ इन्हें मिक्स एंड मैच करें।
- सॉफ्ट फर्निशिंग चुनते समय ब्लैक, ऑफ व्हाइट, बेज, नेवी ब्लू डार्क ग्रीन जैसे रंगों को तरजीह दें। प्रिंट पैटर्न सेलेक्ट करते समय स्ट्राइप्स, चेक्स और फ्लोरल पर फोकस करें। कभी-कभी इनके साथ एनिमल या शेवन पैटर्न पेयर करें। ये आपके घर को अलग लुक देंगे।
- हैंडमेड और पर्सनलाइज्ड एक्सेसरीज को

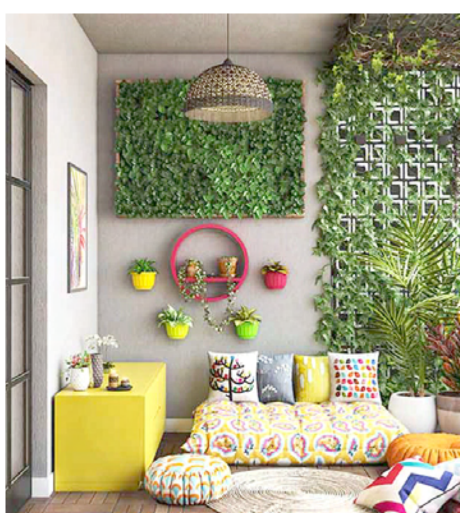

घर में जगह दें। ये सुंदर दिखने के साथ घर को कलात्मक अप्रोच देती हैं।
- दरवाजे, वार्डरोब, किचन कैबिनेट्स आदि को मैट फिनिश लुक दें। ये देखने में अच्छा लगता है।
- घर में एक सुंदर-सी बुकशेल्फ जरूर लगाएं इसमें किताबों के साथ इंडोर प्लांट्स, स्टाइलिश एक्सेसरीज, प्रशस्तिपत्र, फेवरेट फोटोज आदि भी रखें, घर क्लासी और खूबसूरत दिखेगा।
- हरियाली हमेशा अच्छी लगती है, इसलिए इंडोर प्लांट्स को इंटीरियर का महत्वपूर्ण अंग बनाएं, घर के खाली कोनों में इन्हें सजाकर उनकी खूबसूरती बढ़ा सकते हैं।

Zubaan Ke पक्के ReWards
कारपेंटर भाइयो के लिए ऑफर
EURO 7000 Wood Adhesive
15 Rs/- टोकन / पाउच + 1 पॉइंट / पाउच
25 Rs/- टोकन / पाउच + 2 पॉइंट्स / पाउच
सिर्फ 210 Points पर पाइये
American Tourister Trolley Bag Worth ₹ 8,800/- अथवा Cutter Machine अथवा Drill Machine
अथवा
अथवा
American Tourister Trolley Bag worth Rs. 8,800/-
Cutter Machine Or Drill Machine
पाइए Duffle Bag worth ₹3,800/- सिर्फ 70 Points में।
पाइए Bag + Water Bottle worth ₹3,350/- सिर्फ 100 Points में।
100 POINTS REDEEM करो और पाओ
Noise Colorfit Pulse Grand 3 Smart Watch Worth Rs. 6,999/-
पाइए Symphony Tower Fan worth ₹8,799/- सिर्फ 300 Points में।
SURROUND
Bladeless Turbo Throw TM (BLTT) Technology
Powerful 20ft Air Throw*
Swivel Action for Surround Air
Consumes 135 watts* only
स्कन करें और पाओ
GET IT ON Google Play
Available on the App Store
TERMS & CONDITIONS
* इस Offer का लाभ उठान क लिए "EURO7000 DIGITAL" Application Download करें और Points Scan करें।.
* यह ऑफर Limited Time क लिए ह।
* कपनी इस स्कीम को कभी भी बदलन या बद करन का अधिकार रखती है।
www.euroadhesives.com